लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 16 November 2022

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं जनवरी में

कॉलेजों के साथ बैठक में कुलपति ने दिए निर्देश

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लविवि प्रशासन विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं जनवरी में शुरू करने की तैयारी में है। कुलपति ने संबद्ध कॉलेजों को समय से कोर्स पूरा कराने, परीक्षा की तैयारी शुरू करने व परीक्षा में बेहतरी के लिए सुझाव देने को भी कहा है।

सीतापुर और लखीमपुर जिले के महाविद्यालयों के प्राचार्यों के साथ मंगलवार को हुई बैठक में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि नए जुड़े चार जिलों सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हरदोई व रायबरेली के कॉलेजों के साथ विश्वविद्यालय की संबद्धता को एक साल हो गया है। ऐसे में परीक्षाओं को लेकर अगर कॉलेजों को कोई दिक्कत या सुझाव हैं तो वह उसे साझा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जनवरी 2023 में विषम सेमेस्टर की परीक्षाओं की तैयारी है। परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए कॉलेज व्यवस्थाएं चेक कर लें और जहां सीसीटीवी चालू स्थिति में नहीं हैं, उसे ठीक करवा लिया जाए। प्रो. राय ने संबद्ध कॉलेजों को नैक व एनआईआरएफ के लिए आवश्यक रूप से आवेदन करने को कहा। उन्होंने कहा कि जो कॉलेज इसके लिए आगे आएंगे, विश्वविद्यालय प्रशासन उनको पूरा सहयोग करेगा। प्रो. राय ने 25 नवंबर को विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस में शामिल होने और खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन भी संयुक्त रूप से करने को कहा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने छात्र-छात्राओं के लिए वोकेशनल और को-करिकुलर कोर्स निर्धारित किए हैं, उन्हें अपने यहां के अनुसार चुनकर उसकी पढ़ाई करवाएं।

पीएचडी के कई कोर्सों का सीट अलॉटमेंट जारी

लखनऊ विवि प्रशासन ने पीएचडी सत्र 2021-22 की प्रवेश परीक्षा के क्रम में पांच कोर्सों का सीट अलॉटमेंट जारी कर दिया है। प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने बताया कि प्राचीन भारतीय इतिहास, बायो केमिस्ट्री, इंग्लिश, राजनीति विज्ञान, एजुकेशन व लॉ का सीट अलॉटमेंट जारी कर दिया है। विद्यार्थी 18 नवंबर तक फीस जमा करें।

छात्रों ने देखा बृहस्पति व शनि ग्रह

लखनऊ। लविवि में गणित एवं खगोल विज्ञान विभाग की ओर से नाइट स्काई वाच का आयोजन किया जिसमें टेलिस्कोप से विशेष रूप से बृहस्पति एवं शनि ग्रहों को देखा गया। छात्रों के लिए यह एक रोचक अवसर था क्योंकि इस समय बृहस्पति व शनि दोनों ही धरती के बेहद निकट हैं। उन्हें पृथ्वी से आसानी से देखा जा सकता है। इस दौरान विभाग की डॉ. अलका मिश्रा समेत विद्यार्थियों की काफी संख्या रही। (माई सिटी रिपोर्टर)

मोर पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के जूलॉजी विभाग के इंस्टीट्यूट ऑफ वाइल्ड लाइफ साइंसेज ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय मयूर दिवस मनाया। मोर पर आधारित पोस्टर प्रतियोगिता व प्रश्नोत्तरी में विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने शिरकत की। प्रो. एम सेराजुद्दीन, डॉ. कल्पना सिंह आदि मौजूद रहे। (माई सिटी रिपोर्टर)

शहर को कचरे से दिलाएं मुक्ति

लखनऊ। लविवि के सोशल वर्क विभाग में मंगलवार को कचरा प्रबंधन पर हुई कार्यशाला में बताया गया कि शहर से निकलने वाले कचरे को कैसे वैज्ञानिक तरीके से निस्तारित किया जाए। एनएसएस समन्वयक प्रो. रूपेश कुमार और डॉ. शिल्पी कर्मकार यूएनडीपी व मुस्कान ज्योति समिति के प्रबंधक सुमित वर्मा मौजूद रहे। कार्यक्रम में नगर निगम लखनऊ, पृथ्वी इनोवेशन फाउंडेशन, विज्ञान फाउंडेशन, मुस्कान ज्योति समिति, यूएनडीपी व सोशल वर्क विभाग के वॉलंटियर ने शिरकत की। (माई सिटी रिपोर्टर)

NBT PAGE 6

लविवि के विद्यार्थियों ने देखे गुरु और शनि ग्रह

■ एनबीटी, लखनऊ: लविवि के स्टूडेंट्स ने मंगलवार शाम सेलेस्ट्रान टेलिस्कोप से बृहस्पति और शनि ग्रह देखे। छात्र तब हैरान रह गए जब पता चला कि बृहस्पति ग्रह जो टेलिस्कोप से छोटा सा दिख रहा है, वह अपने अंदर 1300 पृथ्वी समा सकता है। पृथ्वी से 641 मिलीयन किलोमीटर दूर है यह। विद्यार्थियों ने गुरु के चार उपग्रह गैनिमीड, कैलिसटो, यूरोपा और आयो भी देखे। दोनों ग्रह देखने के लिए विवि में देर शाम तक लंबी कतार लगी रही। एलयू की गणित और खगोल विज्ञान विभाग की असोसिएट प्रोफेसर डॉ. अलका मिश्रा और उनके विभाग के विद्यार्थियों के लिए नाइट स्काई वॉच का आयोजन किया गया।

पीएचडी के 6 विषयों की दाखिला सूची जारी

■ एनबीटी, लखनऊ: एलयू ने पीएचडी दाखिला परीक्षा के तहत छह विषयों का रिजल्ट मंगलवार को जारी कर दिया। चयनित अभ्यर्थियों को 18 नवंबर तक फीस जमा करनी होगी। ऐडमिशन को-ऑर्डिनेटर पंकज माथुर के अनुसार बॉयोकेमेस्ट्री, अंग्रेजी, पॉलिटिकल साइंस, एजुकेशन, एआईएच और लॉ की सूची जारी की गई है। उपलब्ध सीटों के सापेक्ष चयनित अभ्यर्थियों को सीट अलॉटमेंट भी जारी किया गया है। अभ्यर्थी अपनी लॉगिन आईडी से कट ऑफ देख सकते हैं।

HINDUSTAN PAGE 6

पीएचडी : छह विषयों की मेरिट सूची जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने मंगलवार को पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया के अन्तर्गत छह विषयों की मेरिट लिस्ट जारी कर दी है। प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने बताया कि एजुकेशन, अंग्रेजी, बायोकेमेस्ट्री, पॉलीटिक्ल साइंस, लॉ विषयों की लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के बाद कम्पलीट मेरिट सूची वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। 18 नवम्बर तक शुल्क जमा करें।

एलयू में छात्रों ने देखे शनि, बृहस्पति गणित एवं खगोल विज्ञान विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ अलका मिश्रा एवं उनके छात्रों द्वारा नाइट स्काई वाच का आयोजन किया। जिसमें सेलेस्ट्रान टेलिस्कोप द्वारा विशेष रूप से बृहस्पति एवं शनि ग्रहों को छात्रों ने देखा।

AMRIT VICHAR PAGE 7

छात्रों ने सेलेस्ट्रान टेलिस्कोप से बृहस्पति व शनि ग्रहों को देखा

अमृत विचार, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में गणित एवं खगोल विज्ञान विभाग की एसोसिएट प्रो. डॉ अलका मिश्रा ने खगोल विज्ञान व उनके छात्रों द्वारा नाइट स्काई वाच का आयोजन किया। जिससे लविवि के छात्रों ने सेलेस्ट्रान टेलिस्कोप द्वारा विशेष रूप से बृहस्पति एवं शनि ग्रहों को देखा। लविवि की गणित एवं खगोल विज्ञान विभाग की एसोसिएट प्रो. डॉ अलका मिश्रा ने बताया कि यह एक रोचक अवसर था, क्योंकि इस समय बृहस्पति एवं शनि दोनों ही धरती से निकटतम है और उन्हें पृथ्वी से बड़ी ही आसानी से देखा जा सकता है। इनको देखने के लिए लंबी कतार विश्वविद्यालय में देर शाम तक लगी रही। जैसे ही टेलिस्कोप को शनि ग्रह की ओर घुमाया गया इसके छल्लों को देखकर सभी मंत्रमुग्ध हो गए। डॉ. अलका मिश्रा ने बताया कि यह ग्रह गैसों एवं कंड़ों से बना है। लोग हैरान रह गए जब उन्हें पता चला कि वह बृहस्पति ग्रह जो टेलिस्कोप द्वारा एकदम सूक्ष्म सा दिखता है वह अपने अंदर 1300 पृथ्वी समा सकता है और 641 मिलीयन किलोमीटर दूरी पर है। बृहस्पति ग्रह के साथ-साथ उसके चार उपग्रह भी दिखाई दे रहे थे जिसके नाम क्रमश: गैनिमीड, कैलिसटो, यूरोपा एवं आयो है। यह एक अद्भुत नजारा था, जिसका विश्वविद्यालय के सभी विषयों के विद्यार्थियों ने बहुत देर तक देखा।

SWATANTRA BHARAT PAGE 3 & 4

एलयू के सोशल वर्क विभाग में कचरा प्रबंधन पर कार्यशाला

स्वतंत्र भारत संवाददाता ,लखनऊ। मंगलवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के डिपार्टमेंट ऑफ सोशल वर्क में कचरा प्रबंधन पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शहर के निकलने वाले कचरे को सोर्स सगरेगेसन को कैसे किया जाये था। इस कार्यशाला का शुभारम्भ प्रो. रुपेश कुमार, एनएसएस कोऑर्डिनेटर और डॉ. शिल्पी कर्मकार यूएनडीपी द्वारा किया गया। कार्यशाला में दिल्ली यूएनडीपी से आई डॉ. शिल्पी कर्मकार ने प्रतिभागियों को सोर्स सगरेगेसन के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यूएनडीपी ने नगर निगम लखनऊ के साथ मिलकर वृन्दावन योजना, लखनऊ के जोन-8 में एक स्वच्छता केंद्र, एमआरएफ सेंटर बनाया है जो मुस्कान ज्योति समिति द्वारा चलाया जा रहा है, जिसमें घरों से निकलने वाले सूखे कचरे का प्रबंधन किया जाता है, ताकि शहर को कचरा मुक्त किया जा सके। मुस्कान ज्योति समिति, लखनऊ के प्रबंधक सुमित वर्मा ने बताया कि स्वच्छता केंद्र क्षमता 25 मीट्रिक टन प्रतिदिन की है। इस कार्यक्रम में नगर निगम के चैंपियंस ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम में नगर निगम लखनऊ, पृथ्वी इनोवेशन फाउंडेशन, विज्ञान फाउंडेशन, मुस्कान ज्योति समिति, यूएनडीपी, डिपार्टमेंट ऑफ सोशल वर्क के वालंटियर ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. शिल्पी ने बताया कि हमें अब ग्राउंड लेवल पर काम करने की जरुरत है। ताकि हम शहर को कचरे से मुक्ति दिला सके।

पीएचडी दाखिले के लिए 6 विषयों की मेरिट लिस्ट जारी

स्वतंत्र भारत संवाददाता ,लखनऊ। एलयू यानी लखनऊ विश्वविद्यालय में मंगलवार को पीएचडी दाखिले में 6 विषयों की मेरिट लिस्ट जारी कर दी गई। कट ऑफ में जगह बनाने वाले स्टूडेंट्स को 18 नवम्बर तक फीस जमा करनी होगी। एशिएंट इंडियन हिस्ट्री, बायोकेमिस्ट्री, इंग्लिश, पॉलिटिकल साइंस, एजुकेशन और लॉ समेत कुल 6 विषयों के पीएचडी सत्र 2021-22 में दाखिलें की मेरिट जारी होने के बाद अब एडमिशन का रास्ता साफ हो गया है।

सेलेस्ट्रान टेलिस्कोप से बृहस्पति एवं शनि ग्रहों को देखने का मिला मौका

स्वतंत्र भारत संवाददाता , लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में गणित एवं खगोल विज्ञान विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अल्का मिश्रा एवं उनके छात्रों द्वारा नाइट स्काई वाच का आयोजन किया, जिसमें सेलेस्ट्रान टेलिस्कोप द्वारा विशेष रूप से बृहस्पति एवं शनि ग्रहों को देखने का सुअवसर विश्वविद्यालय के छात्रों को प्राप्त हुआ।यह एक रोचक अवसर था क्योंकि इस समय बृहस्पति एवं शनि दोनों ही धरती से निकटतम हैं और उन्हें पृथ्वी से बड़ी ही आसानी से देखा जा सकता है। इनको देखने के लिए लंबी कतार विश्वविद्यालय में देर शाम तक लगी रही। जैसे ही टेलिस्कोप को शनि ग्रह की ओर घुमाया गया इसके छल्लें को देखकर सभी मंत्रमुग्ध हो गए। डॉ. अल्का मिश्रा ने यह जानकारी दी कि यह ग्रह गैसों एवं कंडो से बना है। लोग यह जानकर हैरान रह गए जब उन्हें पता चला कि वह बृहस्पति ग्रह, जो टेलिस्कोप द्वारा एकदम छोटा दिखता है वह अपने अंदर 1300 पृथ्वी समा सकता है और 641 मिलीयन किलोमिटर दूरी पर है। बृहस्पति ग्रह के साथ-साथ उसके चार उपग्रह भी दिखाई दे रहे थे जिसके नाम क्रमशः गैनिमीड, कैलिसटो, यूरोपा एवं आयो हैं। यह एक अद्भुत नजारा था, जिसका विश्वविद्यालय के सभी विषयों के विद्यार्थियों ने बहुत देर तक अवलोकन किया। डॉ. अल्का मिश्रा ने लोगों की जिज्ञासा देख आने वाले दिनों में भी इसी तरह के दिलचस्प, रोचक एवं ज्ञानवर्धक सत्र को आयोजित कराने के लिए आश्वस्त किया।

HT PAGE 3

Night sky, planet gazing event at LU

LUCKNOW: Gazing at the night sky and planets was organised for students at Lucknow University on Tuesday in which students got the opportunity to see the planets especially Jupiter and Saturn with the help of the Celestron Telescope.

World Peacock Day celebrated

LUCKNOW: Institute of Wildlife Sciences of the Lucknow University (LU), in collaboration with the Zoology department, celebrated November 15 as the World Peacock Day. Several other organisations, like the Indian Biodiversity Conservation Society and the World Pheasant Association, too came together for the purpose.

JAGRAN CITY PAGE III

पीएचडी दाखिले : एजुकेशन विषय में सबसे ज्यादा 171 सीटें

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में फुलटाइम पीएचडी के कई और विषयों की सीटों में बड़ी संख्या में इजाफा हुआ है। इसमें एजुकेशन, अंग्रेजी और ला जैसे प्रमुख विषय शामिल हैं। आवेदन के समय एजुकेशन विषय की 158 सीटें निर्धारित थीं। अब यह संख्या बढ़कर 171 पहुंच गई। पालिटिकल साइंस में 46 की जगह 59 सीटें हो गईं।

लवि में पहली बार स्नातक डिग्री कालेजों के शिक्षकों को भी पीएचडी कराने का मौका दिया है। आवेदन प्रक्रिया शुरू करने के समय दाखिले के लिए 37 विषयों में रेगुलर पीएचडी के लिए 1246 सीटें तय थीं। हालांकि बाद में विभागों की ओर से संशोधित सीटों की संख्या भेजी गई, जिसकी वजह से सीटों में बदलाव हुआ है। ला विषय में 57 की जगह 59 सीटें हो गई हैं। एआइएच एंड आर्कियोलाजी में 17, बायोकेमिस्ट्री में पांच की जगह सात, अंग्रेजी में 102 सीटें आवंटित की गई हैं। एडिशनल एडमिशन कोआर्डिनेटर अनित्य गौरव का कहना है कि चार जिलों के एडेड डिग्री कालेजों को शामिल किए जाने की वजह से सीटों में वृद्धि हुई है।

18 नवंबर तक फीस जमा करने का मौका : लखनऊ विश्वविद्यालय ने सत्र 2021-22 के फुलटाइम पीएचडी दाखिले के लिए मंगलवार को छह विषयों के सीट आवंटन जारी कर दिया। इनमें एंशियन इंडियन हिस्ट्री, बायोकेमिस्ट्री, अंग्रेजी, पालिटिकल साइंस, एजुकेशन और ला विषय शामिल हैं। अभ्यर्थी कटआफ देखकर लागइन आइडी के माध्यम से 18 नवंबर तक फीस जमा कर सकते हैं।

एमवीए, एमएफए, एमएड का सीट आवंटन : लखनऊ विश्वविद्यालय ने एमवीए, एमएफए का दूसरा और एमएड का सीट आवंटन जारी कर दिया। एडिशनल एडमिशन कोआर्डिनेटर अनित्य गौरव ने बताया कि अभ्यर्थी अपने लागइन आइडी के माध्यम से इसे देख सकते हैं। एमवीए, एमएफए में सीट पाने वाले अभ्यर्थी 17 नवंबर तक और एमएड वाले 18 नवंबर तक फीस जमा कर सकेंगे।

स्नातक व परास्नातक विषम सेमेस्टर परीक्षाएं जनवरी के अंत में

लखनऊ विश्वविद्यालय से जुड़े सभी सहयुक्त महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं की स्नातक व परास्नातक विषय सेमेस्टर परीक्षाएं जनवरी के अंत में होनी हैं। इसी आधार पर कालेज अपने यहां पाठ्यक्रम को समय से पूरा कराते हुए तैयारी करें। यह जानकारी मंगलवार को कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने सीतापुर और लखीमपुर के महाविद्यालयों के साथ हुई बैठक में दी। मंथन हाल में शाम चार बजे से हुई बैठक में आफलाइन के साथ आनलाइन मोड पर तमाम कालेज के प्रबंधक एवं प्राचार्य शामिल हुए। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कालेजों से कहा कि वह नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआइआरएफ) और नैक मूल्यांकन के लिए अनिवार्य रूप से आवेदन करें। कुलपति ने सभी कालेजों को दीक्षा समारोह में प्रतिभाग करने और अपने-अपने महाविद्यालयों के झंडे दीक्षा समारोह स्थल के आसपास लगाने के लिए भी कहा। साथ ही आगामी 25 नवंबर को होने वाले स्थापना दिवस पर आमंत्रित भी किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं के लिए वोकेशनल और को-करिकुलर कोर्स की जानकारी दी। कुलसचिव संजय मेधावी ने बताया कि विषय सेमेस्टर में पहले, तीसरे, पांचवें, सातवें और नवें सेमेस्टर की परीक्षाएं जनवरी के अंत में एकेडमिक कैलेंडर के अनुसार कराई जानी हैं। इसकी तैयारी के लिए कुलपति ने कालेजों से कहा है। सीसी कैमरे यदि काम नहीं कर रहे हैं तो उसे ठीक करा लें।

i-NEXT PAGE 4

बीटेक, बीफार्मा, एमसीए में खाली सीटों पर प्रवेश आज

LUCKNOW (15 Nov): एलयू के इंजीनियरिंग संकाय में संचालित बीटेक, बीफार्मा, एमसीए प्रथम सेमेस्टर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए खाली सीटों पर मेरिट के आधार पर सीधे दाखिले बुधवार को होंगे. इसकी मेरिट पहले ही जारी की जा चुकी है. प्रवेश के लिए स्पाट काउंसलिंग में अभ्यर्थियों को अपने सभी मूल अभिलेखों के साथ सुबह नौ बजे द्वितीय कैंपस स्थित इंजीनियरिंग संकाय में पहुंचना होगा. बीटेक प्रथम सेमेस्टर में सीधे प्रवेश की मेरिट सूची में 125 अभ्यर्थी, एमसीए प्रथम सेमेस्टर के लिए 22 और बीफार्मा प्रथम सेमेस्टर के लिए 48 अभ्यर्थियों के नाम शामिल हैं. बीफार्मा में 17, एमसीए पांच व बीटेक मैकेनिकल, सिविल और इलेक्ट्रिकल में खाली सीटों पर प्रवेश लिए जाएंगे.

AMRIT VICHAR PAGE 5

लविवि में दीक्षांत समारोह की तैयारी तेज

अमृत विचार संवाददाता

लखनऊ। लविवि के प्रस्तावित दीक्षांत समारोह की तैयारियां शुरू हो गई हैं। दीक्षांत में दिए जाने वाले प्रमुख मेडल कुलाधिपति व चक्रवर्ती मेडल के लिए योग्य विद्यार्थियों की खोज शुरू हो गई है। विभागों व विद्यार्थियों से अलग-अलग आवेदन मांगा गया है। उधर, एकेटीयू ने 25 नवंबर को होने वाले दीक्षांत समारोह के लिए तैयारियां पूरी कर ली हैं और मेडल के लिए सूची भी फाइनल कर ली है।

लविवि के परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी की ओर से सभी डीन, प्रोवोस्ट, चीफ प्रोवोस्ट, प्रॉक्टर, एथलेटिक्स एसोसिएशन के चेयरमैन को पत्र भेजकर चांसलर गोल्ड मेडल के लिए रिकमंडेशन मांगी गई है। इसके लिए फर्स्ट डिवीजन पास, आखिरी परीक्षा में 50 फीसदी नंबर होने पर, अपने अन्य एकेडमिक रिकॉर्ड, फिटनेस प्रमाण पत्र आदि के साथ संस्तुति भेजनी होगी। वहीं डॉ. चक्रवर्ती गोल्ड मेडल के लिए कॉलेजों से भी संस्तुतियां मांगी गई हैं। यह गोल्ड मेडल विद्यार्थी की ओवरऑल परफार्मेंस के आधार पर दिया जाता है। साथ ही डॉ. चक्रवर्ती गोल्ड मेडल के साथ ही विद्यार्थियों के एकेडमिक परफार्मेंस के आधार पर 10 ब्रोंज, दो सिल्वर मेडल भी दिए जाएंगे।

विद्यार्थियों की खोज शुरू

- लविवि में मेडल के लिए मांगे गए आवेदन, वहीं एकेटीयू ने फाइनल की मेडल सूची

एकेटीयू ने जारी किए विद्यार्थियों के नाम

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विवि एकेटीयू के पीआरओ डॉ. पवन त्रिपाठी के मुताबिक 25 नवंबर को प्रस्तावित दीक्षांत समारोह की तैयारियां तेज हैं। विवि प्रशासन ने मेडल के लिए प्रस्तावित विद्यार्थियों के नाम जारी कर दिए हैं। इस पर विद्यार्थियों से आपत्तियां मांगी गई हैं। वहीं चांसलर गोल्ड मेडल की घोषणा बाद में की जाएगी। समारोह में 95 मेडल और 60 हजार डिग्री बांटी जाएंगी।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 4

दीक्षांत समारोह में कॉलेजों के लगेंगे झंडे

- लविवि कुलपति ने सीतापुर व लखीमपुर के महाविद्यालय के प्राचार्यों के साथ की बैठक

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सीतापुर और लखीमपुर के विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्यों के साथ मंगलवार को बैठक की। इसमें उन्होंने कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की।

बैठक में उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय इस बार द्वितीय परिसर में दीक्षांत समारोह का आयोजन करने पर विचार कर रहा है। आगामी दीक्षांत समारोह के लिए उन्होंने कहा कि आप लोग इसमें अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। अपने-अपने महाविद्यालयों के झंडे दीक्षांत समारोह स्थल के आसपास लगायें। 25 नवंबर को विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस मनाया जाता है। इसमें भी आप सभी महाविद्यालयों के प्राचार्य आमंत्रित किये जायेंगे। आप लोग उस आयोजन में आयें। इसके बाद उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने छात्र-छात्राओं के लिए वोकेशनल और को-करिकुलर कोर्स की शुरूआत की है। उसको अपने कालेज में भी लागू करें ताकि छात्रों को अध्ययन की अधिक से अधिक सुविधा मिल सके। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के पास अपना क्रीड़ागन है। आपके कॉलेज में भी खेल का मैदान होता है। आप विश्वविद्यालय में होने वाले खेलकूद प्रतियोगिताओं में अपने छात्र-छात्राओं के सहभागिता को बढ़ायें और अपने यहां भी खेलकूद के कार्यक्रम का आयोजन करें जिससे यहां के विद्यार्थी वहां पर अपनी सहभागिता को भी सुनिश्चित करें। विश्वविद्यालय के सांस्कृतिकी के साथ अपने महाविद्यालय को जोड़ें और सांस्कृतिक गतिविधियों में भागीदारी सुनिश्चित करें तथा एनआईआरएफ और नैक में अवश्य आवेदन करें।